विषय–सूची

भाग एक

मुद्रा
(Money)

1. **मुद्रा के कार्य और प्रकार**
   (Functions and Types of Money)
   मुद्रा की प्रकृति और परिभाषा; मुद्रा की सैद्धांतिक और अनुभवसिद्ध परिभाषाएं, मुद्रा का वर्गीकरण अथवा प्रकार; मुद्रा तथा निकट मुद्रा; मुद्रा के कार्य; प्रश्न।
2. **मुद्रा का महत्व अथवा भूमिका**
   (Significance or Role of Money)
   मुद्रा की भूमिका का सामाजिक महत्व; मुद्रा के दोष; पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में मुद्रा का कार्य; समाजवादी अर्थव्यवस्था में मुद्रा की भूमिका; मिश्रित अर्थव्यवस्था में मुद्रा का कार्य; प्रश्न।
3. **मुद्रा का चक्रीय प्रवाह**
   (The Circular Flow of Money)
   अर्थ; घरेलू और व्यवसाय क्षेत्रों के बीच मुद्रा का चक्रीय प्रवाह; बचत और निवेश युक्त मुद्रा का चक्रीय प्रवाह; सरकारी क्षेत्र युक्त मुद्रा का चक्रीय प्रवाह; विदेशी क्षेत्र युक्त मुद्रा का चक्रीय प्रवाह; मुद्रा के चक्रीय प्रवाह का महत्व; प्रश्न।
4. **मौद्रिक मान**
   (Monetary Standards)
   मौद्रिक मान का अर्थ एवं रूप; स्वर्णमान; द्विधातुमान; ग्रेशम का नियम; कागज मुद्रा मान; नोट निर्गम के नियम और विधियाँ; प्रश्न।
5. **सूचकांक**
   (Index Numbers)
   सूचकांक; सूचकांक तैयार करने के तरीके; सूचकांक निर्मित करने में कठिनाइयां; सूचकांकों के लाभ; प्रश्न।
6. **मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त और उसके रूपान्तर**
   (The Quantity Theory of Money and its Variants)
   मुद्रा के मूल्य का अर्थ; फिशर का नकदी लेन–देन सिद्धान्त; नकदी शेष केम्ब्रिज सिद्धान्त; लेन–देन सिंद्धान्त बनाम नकदी शेष सिद्धान्त; नकदी शेष सिद्धांन्त की लेन–देन सिद्धान्त पर श्रेष्ठता; प्रश्न।
7. **केन्ज़ के मूलभूत समीकरण**
   (Keynes' Fundamental Equations)
   अर्थ; आलोचनाएँ; निष्कर्ष; प्रश्न।
8. **मुद्रा का आय–व्यय सिद्धान्त**
   (Income-Expenditure Theory of Money)
   भूमिका; आय–व्यय दृष्टिकोण; बचत–निवेश दृष्टिकोण; आय–व्यय (अथवा बचत–निवेश) सिद्धान्त की परिमाण

सिद्धान्त पर श्रेष्ठता; प्रश्न।

9. मुद्रा तथा कीमतों का केन्ज़ीय सिद्धान्त
(The Keynesion Theory of Money and Prices)
भूमिका; केन्ज़ द्वारा पुनः व्यवस्थापित मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त; परम्परागत मुद्रा के परिमाण सिद्धान्त पर केन्ज़ीय सिद्धान्त की श्रेष्ठता; केन्ज़ के मुद्रा और कीमत सिद्धान्त की आलोचनाएं; प्रश्न।

10. फ्रीडमैन का मुद्रा के परिमाण सिद्धान्त का पुनः प्रतिपादन
(Friedman's Re-Formulation of the Quantity Theory of Money)
भूमिका; फ्रीडमैन का सिद्धान्त; फ्रीडमैन के मुद्रा सिद्धान्त का अनुभवसिद्ध प्रमाण; फ्रीडमैन बनाम केन्ज़; प्रश्न।

11. मुद्रा की मांग
(The Demand for Money)
भूमिका; क्लासिकी मत; केन्ज़ीय मतः तरलता अधिमान; केन्जोपरान्त मत; प्रश्न।

12. मुद्रा की पूर्ति
(The Supply of Money)
मुद्रा पूर्ति की परिभाषा; मुद्रा पूर्ति के निर्धारक; उच्चस्तरीय या उच्च शक्ति वाली मुद्रा एवं मुद्रा गुणक; मुद्रा गुणकों की व्युत्पत्ति; भारत में मुद्रा पूर्ति के माप; प्रश्न।

13. स्फीति तथा अवस्फीति
(Inflation and Deflation)
प्रस्तावना; स्फीति का अर्थ एवं प्रकार; स्फीति अन्तराल; मांगजन्य अथवा स्फीति का मौद्रिक सिद्धान्त; लागतजन्य स्फीति; फिलिप्स वक्र; बेरोजगारी और स्फीति में सम्बन्ध; स्फीति के कारण; विकसित देशों में स्फीति रोकने के उपाय; विकासशील देशों में स्फीति रोकने के उपाय; स्फीति के प्रभाव; अवस्फीति; स्फीति की आर्थिक विकास में भूमिका; प्रश्न।

भाग दो
बैंकिंग
(Banking)

14. वाणिज्यिक बैंकों के कार्य
(Functions of Commercial Banks)
अर्थ;वाणिज्यिक बैंकों के कार्य; वाणिज्यिक बैंक का तुलन पत्र; विकासशील देश में वाणिज्यिक बैंकों की भूमिका; प्रश्न।

15. वाणिज्यिक बैंकों का संगठन और ढांचा
(Organisation and Structure of Commercial Banking)
भूमिका; यूनिट बैंकिंग; शाखा बैंकिंग; समूह बैंकिंग; श्रृंखला बैंकिंग; मिश्रित बैंकिंग; सहसंबंधी बैंकिंग; प्रश्न।

16. वाणिज्यिक बैंक की नीतियाँ और सिद्धान्त
(Policies and Principles of Commercial Bank)
भूमिका; निवेश-सूची प्रबंधन के उद्देश्य; निवेश-सूची के सिद्धान्त; वाणिज्यिक बैंकों की निवेश नीति; सुदृढ़ बैंकिंग व्यवस्था की आवश्यकताएँ; प्रश्न।

17. वाणिज्यिक बैंकों द्वारा साख निर्माण
(Credit Creation by Commercial Banks)
क्या बैंक साख निर्माण करते हैं ?; साख निर्माण की प्रक्रिया; बैंकों की साख निर्माण की सीमाएं; प्रश्न।

18. साख तथा साख-पत्र
(Credit and Credit Instruments)
साख का अर्थ; साख की विशेखताएँ या उसके आवश्यक तत्व; साख-पत्र; साख की मात्रा को प्रभावित करने वाले घटक; साख का महत्व; साख का दोष; बैंक समाशोधन गृह; प्रश्न।

19. केन्द्रीय बैंकिगः कार्य एवं साख-नियंत्रण

(Central Banking: Functions and Credit Control)

भूमिका; केन्द्रीय बैंक की परिभाषा; केन्द्रीय बैंक के कार्य; साख नियंत्रण; साख-नियंत्रण के तरीके; कमर्शियल बैंकों तथा केन्द्रीय बैंक में संबंध; विकासशील अर्थव्यवस्था में केन्द्रीय बैंक की भूमिका; प्रश्न।

20. वित्तीय मध्यस्थ

(Financial Intermediaries)

अर्थ; मध्यस्थता की प्रक्रिया; वित्तीय मध्यस्थों की भूमिका; आर्थिक वृद्धि में वित्तीय मध्यस्थों की भूमिका; वित्तीय मध्यस्थ और अल्पविकसित देश; बचत-निवेश प्रक्रिया में वित्तीय मध्यस्थ; प्रश्न।

21. गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थ

(Non-Bank Financial Intermediaries)

अर्थ; गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थों का कार्यभाग; गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थ तथा मौद्रिक नीति; गुर्ले-शॉ थीसिस; बैंक तथा गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थों में अन्तर; प्रश्न।

22. वित्तीय बाजारः मुद्रा एवं पूंजी बाजार

(Financial Markets: Money and Capital Market)

अर्थ और प्रकार; वित्तीय बाजार की संस्थाएँ; वित्तीय बाजारों की कुशलता; मुद्रा बाजार; पूंजी बाजार; मुद्रा और पूंजी बाजार में अन्तर; मुद्रा और पूंजी बाजार में परस्पर संबंध; प्रश्न।

23. मौद्रिक नीति

(Monetary Policy)

मौद्रिक नीति का अर्थ; मौद्रिक नीति के उद्देश्य; मौद्रिक नीति के उपकरण; विस्तारक मौद्रिक नीति; प्रतिबंधात्मक मौद्रिक नीति; विकासशील अर्थव्यवस्था में मौद्रिक नीति की भूमिका; प्रश्न।

24. मुद्रा का तरलता सिद्धान्त

(The Liquidity Theory of Money)

प्रस्तावना; रेडक्लिफ-सेयरस् थीसिस; गुर्ले-शॉ का मत; प्रश्न।

भाग तीन

आय, उत्पादन और रोजगार का केन्ज़ीय सिद्धान्त
(Keynesian Theory of Income, Output and Employment)

25. रोजगार का क्लासिकी सिद्धान्त

(The Classical Theory of Employment)

प्रस्तावना; रोजगार का क्लासिकी सिद्धान्त; क्लासिकी सिद्धान्त की केन्ज़ द्वारा आलोचना; प्रश्न।

26. 'से' का बाजार नियम

(Say's Law of Market)

से का नियम; से नियम की प्रस्थापनाएं और उसमें निहितार्थ; से के नियम की आलोचनाएँ; प्रश्न।

27. प्रभावी मांग का नियम

(The Principle of Effective Demand)

प्रस्तावना; प्रभावी मांग का निर्धारण; प्रभावी मांग का महत्व; प्रश्न।

28. उपभोग फलन

(The Consumption Function)

प्रस्तावना; उपभोग फलन का अर्थ; उपभोग फलन के गुण अथवा तकनीकी विशेषताएँ; सीमांत उपभोग प्रवृत्ति और औसत उपभोग प्रवृत्ति में संबंध; केन्ज का उपभोग का मनोवैज्ञानिक नियम; केन्ज के नियम के निहित तत्व अथवा उपभोग फलन का महत्व; उपभोग फलन के निधरिक; उपभोग प्रवृत्ति बढ़ाने के उपाय; प्रश्न।

29. **उपभोग फलन के सिद्धान्त**
(Theories of the Consumption Function)
प्रस्तावना; निरपेक्ष आय परिकल्पना; सापेक्ष आय परिकल्पना; स्थायी आय परिकल्पना; जीवन-चक्र परिकल्पना; प्रश्न।

30. **बचत फलन**
(The Saving Function)
बचत फलन का अर्थ; बचत प्रवृत्ति; बचत के निर्धारक; किफायत का विरोधाभास; प्रश्न।

31. **निवेश फलन**
(The Investment Function)
निवेश और पूंजी का अर्थ; निवेश के प्रकार; पूंजी की सीमान्त उत्पादकता; निवेश की सीमान्त उत्पादकता; स्वैच्छिक और स्वचालित में भेद; प्रेरित निवेश को प्रभावित करने वाले अन्य (ब्याज दर से भिन्न) कारक; प्रश्न।

32. **बचत तथा निवेश समानता**
(Saving and Investment Equality)
प्रस्तावना; क्लासिकी विचारधारा; केन्जवादी विचारधारा; अन्य मत; प्रश्न।

33. **गुणक की धारणा**
(The Concept of Multiplier)
प्रस्तावना; निवेश गुणक; प्रावैगिक या समयावधि गुणक; रोजगार गुणक; गुणक सिद्धान्त की विकासशील देशों पर व्यवहार्यता; प्रश्न।

34. **ब्याज दर के सिद्धान्त**
(Theories of Interest Rate)
प्रस्तावना; केन्ज़ का ब्याज तरलता अधिमान सिद्धान्त; ब्याज का आधुनिक सिद्धान्त; केन्जीय सिद्धान्त से श्रेष्ठता; प्रश्न।

35. **मजदूरी और रोजगार**
(Wages and Employment)
प्रस्तावना; क्लासिकी मत; केन्जीय मत; लचीली मजदूरी नीति बनाम लचीली मैद्रिक नीति; प्रश्न।

36. **रोजगार का केन्ज़ीय सिद्धान्त-पूर्ण मॉडल**
(Keynesian Theory of Employment-Complete Model)
प्रस्तावना; आय उत्पादन और रोजगार का केन्जीय सिद्धान्त; प्रश्न।

37. **अल्पविकसित देशों पर केन्ज़ के सिद्धान्त की व्यवहार्यता**
(Applicability of Keynes's Theory on Underdeveloped Countries)
प्रस्तावना; केन्ज़वादी मान्यताएँ तथा अल्पविकसित देश; केन्ज़वादी सिद्धान्त के औज़ार तथा अल्पविकसित देश; प्रश्न।

38. **त्वरण सिद्धान्त तथा अतिगुणक**
(The Theory of Acceleration and Super-Multiplier)
प्रस्तावना; त्वरण सिद्धान्त; त्वरक का निवेश सिद्धान्त के रूप में कार्य; अतिगुणक या गुणक-त्वरक परस्पर क्रिया; व्यापार-चक्रों में गुणक-त्वरक परस्पर क्रिया का उपयोग; प्रश्न।

39. **व्यापार-चक्रों की प्रकृति एवं सिद्धान्त**
(Nature of Trade Cycles and Theories)
अर्थ; चक्रों के प्रकार; व्यापार-चक्र की अवस्थाएं; व्यापार-चक्र सम्बन्धी सिद्धान्त; स्थिरीकरण नीतियाँ अथवा व्यापार-चक्रों को नियंत्रित करने के उपाय; प्रश्न।

भाग चार
अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार
(International Trade)

40. **अन्तर-क्षेत्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रमुख लक्षण**
(Distinguishing Features of Inter-Regional and International Trade)
प्रस्तावना; अन्तर-क्षेत्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में भिन्नताएँ; अन्तर-क्षेत्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में समानताएँ;

प्रश्न।

41. तुलनात्मक लागत का सिद्धान्त
(The Theory of Comparative Costs)
प्रस्तावना; तुलनात्मक लागत सिद्धान्त; सिद्धान्त की आलोचनाएँ; प्रश्न।

42. हैबरलर का अवसर लागत सिद्धान्त
(Haberler's Theory of Opportunity Cost)
प्रस्तावना; अवसर लागत सिद्धान्त; आलोचनात्मक मूल्यांकन; प्रश्न।

43. मिल का पारस्परिक मांग का सिद्धान्त
(Mill's Theory of Reciprocal Demand)
प्रस्तावना; सिद्धान्त; इसकी आलोचनाएँ; प्रश्न।

44. हैक्शर-ओलिन का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का सिद्धान्त
(Heckscher-Ohlin Theory of International Trade)
प्रस्तावना; सिद्धान्त का वक्तव्य; क्लासिकी सिद्धान्त की तुलना में इसकी श्रेष्ठता; इसकी आलोचनाएँ; प्रश्न।

45. व्यापार से लाभ
(The Gains From Trade)
अर्थ; व्यापार से लाभ को मापना; व्यापार से लाभ और आय वितरण; व्यापार से लाभ; व्यापार से लाभ को निर्धारित करने वाले कारक; प्रश्न।

46. व्यापार की शर्तें
(The Terms of Trade)
अर्थ; वस्तु व्यापार की शर्तें; सकल वस्तु-विनिमय व्यापार शर्तें; व्यापार की आय शर्तें; व्यापार की एकल घटकीय शर्तें; व्यापार की द्विघटकीय शर्तें; व्यापार की वास्तविक लागत शर्तें; व्यापार की उपयोगिता; व्यापार की शर्तों को प्रभावित करने वाले कारक; प्रश्न।

47. मुक्त व्यापार बनाम संरक्षण
(Free Trade Versus Protection)
मुक्त व्यापार; संरक्षण; प्रश्न।

48. प्रशुल्क
(Tariffs)
अर्थ और प्रकार; प्रशुल्कों का प्रभाव; इष्टतम प्रशुल्क तथा कल्याण; अन्य व्यापार प्रतिबंध या गैर-प्रशुल्क अवरोध; प्रश्न।

49. आयात कोटा
(Import Quotas)
अर्थ और प्रकार; आयात कोटा के उद्देश्य; आयात कोटा के प्रभाव; प्रशुल्कों तथा कोटा की समानता; आयात कोटा और प्रशुल्क के गुण एवं दोष; प्रश्न।

50. विनिमय नियत्रंण
(Exchange Controls)
अर्थ; विशेषताएँ; विनिमय नियंत्रण के उद्देश्य; विनिमय नियन्त्रण के तरीके; विनिमय नियन्त्रण के गुण और दोष; प्रश्न।

51. विदेशी व्यापार गुणक
(Foreign Trade Multiplier)
विदेश व्यापार गुणक का कार्यकरण; विदेश व्यापार गुणक का अल्पविकसित देशों में महत्व अथवा व्यवहार्यता; प्रश्न।

52. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार तथा आर्थिक विकास
(International Trade and Economic Development)
प्रस्तावना; अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आर्थिक विकास में महत्व; प्रश्न।

53. विदेशी विनिमय दर के सिद्धान्त

(Theories of Foreign Exchange Rate)

विदेशी विनिमय दर का अर्थ; तत्काल और अग्रिम विनिमय दर; विदेशी विनिमय दर के सिद्धान्त; विनिमय दर में परिवर्तन के कारण; प्रश्न।

54. विदेश विनिमय दर नीति

(Foreign Exchange Rate Policy)

प्रस्तावना; स्थिर विनिमय दरें; लोचदार विनिमय दरें; व्यवहार में विनिमय दर प्रणालियाँ; प्रश्न।

55. भुगतान शेष

(Balance of Payments)

अर्थ तथा संरचना; क्या भुगतान-शेष हमेशा संतुलन में होतें है? व्यापार शेष और भुगतान शेष; भुगतान-शेष का समायोजन अथवा असंतुलन ठीक करने के उपाय; भुगतान-शेष की मौद्रिक धारणा; प्रश्न।

भाग पाँच
अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा प्रणाली
(International Monetary System)

56. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

(The International Monetary Fund)

प्रस्तावना; कोष के उद्देश्य; कोष के कार्य; कोष का संगठन एवं ढांचा; कोष का कार्यकरण; सुधार के सुझाव; मुद्रा कोष में स्वर्ण की भूमिका; भारत तथा मुद्रा कोष; विशेष आहरण अधिकार; प्रश्न।

57. विश्व बैंक

(The World Bank)

कार्य; सदस्यता; संगठन; पूंजी सरंचना; निधीयन; कूटनीति; उधार लेने तथा उधार देने की क्रियाएं; अन्य सक्रियताएँ; समीक्षात्मक मूल्यांकन; भारत तथा विश्व बैंक; प्रश्न।

58. विश्व बैंक परिवार

(The World Bank Family)

अन्तर्राष्ट्रीय विकास परिषद्; अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम; बहुपक्षीय निवेश गारंटी एंजेंसी; प्रश्न।

59. अन्तर्राष्ट्रीय तरलता

(International Liquidity)

अर्थ; अन्तर्राष्ट्रीय तरलता की समस्या और आवश्यकता; अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और अन्तर्राष्ट्रीय तरलता; प्रश्न।

60. एशियाई विकास बैंक

(Asian Development Bank—ADB)

प्रस्तावना; इसके उद्देश्य; इसके कार्य; इसकी सदस्यता; इसका प्रबंध; इसके वित्तीय स्त्रोत; इसकी प्रगति; इसका मूल्यांकन; प्रश्न।

61. प्रशुल्क एवं व्यापार सम्बन्धी सामान्य करार (गैट)

(General Agreemeut on Tariffs and Trade (GATT))

प्रस्तावना; गैट क्या हैं ?; गैट के उद्देश्य; गैट के प्रावधान; विश्व-व्यापार वार्तओं में गैट की आलोचनाएँ; प्रश्न।

62. विश्व व्यापार संगठन

(World Trade Organisation)

प्रस्तावना; विश्व व्यापार संगठन; गैट तथा विश्व व्यापार संगठन में अन्तर; सरंचना; उद्देश्य; कार्य; विश्व व्यापार समझौता; उरूगवे दौर और विश्व व्यापार समझौते का आलोचनात्मक मूल्यांकन; विश्व व्यापार संगठन का कार्यकरण; प्रश्न।

63. दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (दक्षेस)
(South Asian Association for Regional Co-operation (SAARC))
प्रस्तावना; उद्देश्य; सिद्धान्त; सामान्य धारणाएँ; सगंठन; अन्य संस्थाओं के साथ सहयोग; सार्क कोष; व्यापार और आर्थिक सहयोग; सार्क में क्षेत्रीय व्यापार और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के सुझाव; सार्क का मूल्यांकन; प्रश्न।

भाग छः
भारत में मुद्रा एवं बैंकिग
(Money and Banking In India)

64. भारत की वर्तमान मौद्रिक प्रणाली
(Present Monetary System of India)
प्रस्तावना; भारत की वर्तमान मौद्रिक प्रणाली; भारतीय करेन्सी प्रणाली का संक्षिप्त इतिहास; प्रश्न।

65. भारतीय मुद्रा बाजार
(Indian Money Market)
अर्थ; भारतीय मुद्रा बाजार का स्वरूप; भारतीय मुद्रा बाजार के कार्य अथवा मुद्रा बाजार का महत्व; भारतीय मुद्रा बाजार के संघटक; भारतीय मुद्रा बाजार के दोष; भारतीय मुद्रा बाजार में सुधार करने के सुझाव; प्रश्न।

66. भारतीय पूंजी बाजार
(Indian Capital Market)
भारतीय पूंजी बाजार की विशेषताएं; भारतीय पूँजी-बाजार का कार्यकरण; भारतीय मुद्रा बाजार के दोष; सुधार के लिए कुछ सुझाव; प्रश्न।

67. साहूकार और देशी बैंकर
(Money-lenders and Indigenous Bankers)
साहूकार; देशी साहूकार; देशी बैंकर्स और साहूकारों में भेद; प्रश्न।

68. भारत में सहकारी बैंक
(Co-operative Banks in India)
प्राथमिक कृषि संबंधी ऋण समितियाँ; केन्द्रीय सहकारी बैंक; राज्य सहकारी बैंक; भूमि विकास बैंक; सहकारी ढाचें को सुदृढ़ करना; प्रश्न।

69. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)
(Regional Rural Banks and National Bank for Agricultural and Rural Development-NABARD)
ग्रामीण बैंक; क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक; राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक; (नाबार्ड); प्रश्न।

70. भारत में वाणिज्यिक बैंक
(Commercial Banks in India)
वाणिज्यिक बैंकों का वर्गीकरण; भारतीय अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के कार्य; प्रश्न।

71. बैंकिंग प्रणाली में वर्तमान प्रवृत्तियाँ
(Recent Trends in the Banking System)
प्रस्तावना; सामाजिक बैकिंग; नवीन या प्रवर्तक बैंकिंग; भारतीय बैंकिंग प्रणाली के दोष; कार्य में सुधार के सुझाव; नरसिम्हम समिति की रिपोर्ट; बैंकिंग प्रणाली में हुए नवीन या वर्तमान सुधार; प्रश्न।

72. वाणिज्यिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण
(Nationalisation of Commercial Banks)
प्रस्तावना; वाणिज्यिक बैंकों के राष्ट्रीयकरण का औचित्य; बैंक राष्ट्रीकरण के उद्देश्य; भारत में राष्ट्रीयकृत बैंकों के कार्यों का आलोचनात्मक मूल्यांकन; प्रश्न।

73. भारतीय रिजर्व बैंक

(Reserve Bank of India)

इसका संविधान; संगठनात्मक संरचना एवं प्रबन्धन; भारतीय रिजर्व बैंक के उद्देश्य; भारतीय रिजर्व बैंक के कार्य; भारतीय रिजर्व बैंक और कृषि वित्त; रिजर्व बैंक तथा औद्योगिक वित्त; भारतीय रिजर्व बैंक तथा बिल बाजार योजना; भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा नियंत्रण प्रबन्धन; भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यों का आलोचनात्मक मूल्यांकन; प्रश्न।

74. भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति

(Monetary Policy of Reserve Benk of India)

भूमिका; मौद्रिक नीति के उद्देश्य; साख नियंत्रण की विधियाँ; मौद्रिक नीति की विफलता के कारण; प्रश्न।

75. भारत में विकास बैंकिंग

(Development Banking in India)

प्रस्तावना; अर्थ; विकास बैंक के कार्य; विकास बैंक का महत्व; भारत में विकास बैंक; आधारभूत सुविधा विकास वित्त कम्पनी; प्रश्न।

76. भारत में गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थ

(Non-Bank Financial Intermediaries in India)

प्रस्तावना; गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियाँ; गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का विनियमन; प्रश्न।

भाग सात
लोक-वित्त
(Public Finance)

77. सार्वजनिक वित्त का अर्थ, विषय क्षेत्र एवं महत्व

(Meaning, Scope and Importance of Public Finance)

अर्थ; सार्वजनिक वित्त की प्रकृति; सार्वजनिक वित्त का विषय क्षेत्र; सार्वजनिक एवं निजी वित्त में अन्तर; सार्वजनिक वित्त का महत्व; प्रश्न।

78. सार्वजनिक वस्तुएं, निजी वस्तुएं और बाजार विफलता

(Public Goods, Private Goods and Market Failure)

सार्वजनिक वस्तुएं; निजी वस्तुएं; बाजार विफलता तथा सरकार का कार्यभाग; प्रश्न।

79. अधिकतम सामाजिक लाभ का नियम

(The Principle of Maximum Social Advantage)

अर्थ; सामाजिक लाभ का अधिकतमीकरण; अधिकतम सामाजिक लाभ नियम की सीमाएं; सामाजिक लाभ के वस्तुनिष्ठ परीक्षण; प्रश्न।

80. कर

(Taxes)

प्रस्तावना; सार्वजनिक आय या राजस्व के स्त्रोत; एक अच्छी कर प्रणाली की विशेषताएं; आनुपातिक आरोही तथा अवरोही कर; प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष कर; कराधान के नियम; प्रश्न।

81. कराधान के सिद्धांत

(Principles of Taxation)

प्रस्तावना; सेवा का लागत सिद्धांत; लाभ सिद्धांत; देय क्षमता सिद्धांत; प्रश्न।

82. करापात, करांतरण तथा कर प्रभाव

(Incidence, Shifting and Effects of Taxes)

वस्तु कराधान का भार; करापात तथा करांतरण; एकाधिकार के अन्तर्गत कराधान का भार; कराधान के प्रभाव; आय वितरण पर कराधान के प्रभाव; प्रश्न।

83. करयोग्य क्षमता

(Taxable Capacity)

अर्थ; कर योग्य क्षमता निर्धारित करने वाले तत्व; कर योग्य क्षममता की सीमा; कर-योग क्षमता का माप; प्रश्न।

84. सार्वजनिक व्यय के नियम, प्रभाव तथा वृद्धि

(Canons, Effects and Growth of Public Expenditure)

सार्वजनिक व्यय के नियम; सार्वजनिक व्यय के प्रभाव; सार्वजनिक व्यय की वृद्धि; प्रश्न।

85. सार्वजनिक ऋण

(Public Debt)

सार्वजनिक ऋण से अभिप्राय; सार्वजनिक व निजी ऋण में अन्तर; सार्वजनिक ऋण तथा कर; सार्वजनिक ऋण के प्रकार; सार्वजनिक ऋण की आवश्यकता; सार्वजनिक ऋण के प्रभाव; सार्वजनिक ऋण का भार; सार्वजनिक ऋण का प्रबंधन; सार्वजनिक ऋण का विमोचन; आर्थिक विकास में सार्वजनिक ऋण की भूमिका; प्रश्न।

86. भारत में केन्द्र और राज्य सरकारों के कर राजस्व तथा व्यय की प्रवृत्तियां

(Trends in Tax Revenue and Expenditure of Centre and State Governments in India)

केन्द्र के कर राजस्व तथा व्यय की प्रवृत्तियां; राज्य सरकारों के राजस्व एवं व्यय की प्रवृत्तियां; प्रश्न।